<u>मसौदा प्रेस विज्ञप्ति</u>

<u>भोपाल हवाई अड्डे पर जल्द ही 24 घंटे प्रचालन शुरू होगा</u>

नई दिल्ली …….. 2024: भाविप्रा द्वारा 01 अक्टूबर, 2024 से भोपाल हवाई अड्डे पर 24 घंटे प्रचालन शुरू करने की योजना बनाई गई है। यह उपलब्धि संपर्कता बढ़ाने, निर्बाध यात्रा अनुभव प्रदान करने और क्षेत्रीय और राष्ट्रीय हवाई यातायात के विकास का समर्थन करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे एयरलाइंस, गैर-अनुसूचित ऑपरेटरों, मेडिकल उड़ानों और सामान्य विमानन को विमान प्रचालन की दक्ष योजना बनाने में सुलभता होगी। एयरलाइंस भोपाल हवाई अड्डे पर बेस की योजना भी बना सकती हैं। इससे हवाई अड्डे की अवसंरचना और संसाधनों का प्रभावी उपयोग भी संभव होगा।

वर्तमान में भोपाल हवाई अड्डे पर नौ घरेलू गंतव्यों अर्थात दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, रायपुर, जयपुर, उदयपुर और लखनऊ से साप्ताहिक 220 उड़ानें प्रचालित होती हैं। इसके अतिरिक्त, भारत के अन्य शहरों जैसे पुणे, गोवा, कोलकाता, चेन्नई, कोचीन, भुवनेश्वर, वाराणसी, जम्मू, श्रीनगर, गुवाहाटी आदि के लिए उड़ान संपर्कता की भारी मांग है। चौबीसों घंटे प्रचालन के साथ, 2024 के शीतकालीन सत्र में भोपाल हवाई अड्डे के लिए साप्ताहिक निर्धारित उड़ानें लगभग 268 होने की आशा है।

प्रचालन समय बढ़ाने से ज्यादा उड़ानें प्रचालित हो सकेंगी, जिससे विशेषकर लंबी दूरी के मार्गों की उड़ानों के लिए संपर्कता में सुधार होगा। इससे अधिक एयरलाइंस और रूट आकर्षित होंगे, जिससे भोपाल हवाई अड्डा अत्यधिक प्रमुख केंद्र बन जाएगा। यात्रियों के पास अधिक लचीले उड़ान विकल्प होंगे, जिससे यात्रा आसान और अधिक सुविधाजनक हो जाएगी। इससे यात्रियों की संतुष्टि बढ़ेगी और भोपाल में अधिक यात्री आकर्षित होंगे।

अधिक उड़ानों और यात्रियों के साथ, स्थानीय व्यवसायों जैसे होटल, रेस्तरां और परिवहन सेवाओं की मांग में वृद्धि होने की संभावना है। इससे रोजगार सृजन होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। भोपाल सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत से समृद्ध है। चौबीसों घंटे प्रचालन से शहर में विशेष कर अलग-अलग टाइम जोन से आने वाले पर्यटकों के लिए आवागमन अत्यंत सुलभ हो जाएगा, जिससे पर्यटन क्षेत्र के विकास में योगदान मिलेगा।

24 घंटे के प्रचालन से कार्गो हैंडलिंग बेहतर होगी, जिससे लॉजिस्टिक प्रचालन अधिक दक्ष होगा। इससे हवाई माल ढुलाई पर निर्भर रहने वाले व्यवसाय आकर्षित होंगे, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को और बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधाओं तक बेहतर पहुंच भी मिलेगी।

24 घंटे प्रचालन शुरू होने के साथ ही भोपाल एयरपोर्ट पर रात्रि पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध हो जाएगी। इससे हवाई अड्डे को न केवल भारत के भीतर बल्कि अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए भी संपर्क की सुविधा

मिलेगी। चूंकि अधिकांश अंतरराष्ट्रीय ऑपरेटर भारत से रात्रि में प्रचालन को वरीयता देते हैं, इसलिए 24 घंटे प्रचालन एयरलाइंस को भोपाल एयरपोर्ट से अंतरराष्ट्रीय प्रचालन पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। इससे एयरलाइंस को हवाई अड्डे पर रात्रि पार्किंग की योजना बनाने और बेस फ्लाइट की योजना बनाने में भी सहायक होगी।

भोपाल हवाई अड्डे को 24 घंटे प्रचालन में बदलने से यात्री सेवा को बेहतर बनाने, आर्थिक विकास को गति देने और समग्र प्रचालन दक्षता में सुधार करने का एक आकर्षक अवसर मिलता है। इस बदलाव को अपनाकर, हवाई अड्डा स्वयं को देश के अग्रणी हवाई अड्डे के रूप में स्थापित करेगा, यात्रियों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूर्ण करेगा और क्षेत्र के समग्र विकास में योगदान देगा। इन विस्तारित समय को लागू करने से न केवल बढ़ते यात्रा बाजार की मांग पूरी होगी बल्कि क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र के रूप में भोपाल की अपेक्षाएं भी पूर्ण होंगी।